MUKHERJEE NAGAR BRANCH
ForumIAS
CENTER CODE 1903

09 AUG 2023

| TEST CODE | 6 | 1 | 1 | 3 | 0 | 2 |
|---|---|---|---|---|---|---|

FIAS – MGP 2023 – GS PAPER I_FLT #5

Time Allowed : Three Hours
समय : तीन घंटे

ForumIAS

Maximum Marks : 250
अधिकतम अंक : 250

## GENERAL STUDIES / सामान्य अध्ययन

| | | | |
|---|---|---|---|
| **Name Of Candidate** परीक्षार्थी का नाम | Ankit kumar. | | |
| **Roll No./अनुक्रमांक** | 1910083688 | **Medium**/माध्यम | English ☐ हिंदी ☑ |
| **Center Code/परीक्षा केंद्र** | 1903 | **Date**/दिनांक | 09/08/23 |

*Center Code : For Online – 1900 / Delhi : Karol bagh – 1901, ORN - 1902, Mukharji Nagar - 1903 / Patna : Boring Rd. – 2001 / Hyderabad : Jawahar Nagar - 2101

### INDEX TABLE / अनुक्रमणिका

| Q. No. प्र.सं. | Max. Marks अधिकतम अंक | Marks Obtained प्राप्तांक |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| Total/कुल अंक | 250 | |

Examiner's Discretion/मूल्यांकन कर्त्ता का विवेक :

Total Marks/कुल अंक :

*Examiner's Discretion is the marks awarded at the discretion of the examiner based on your overall impression, on the basis of (but not limited to) your handwriting, presentation, use of diagrams, flowcharts, facts and figures or absolutely anything that he/she liked in your copy.

मूल्यांकन कर्त्ता का विवेक अंक, आपकी लिखावट, प्रस्तुति, आरेखों के उपयोग, फ़्लोचार्ट, तथ्यों और आंकड़ों या समग्र रूप किसी अन्य विषय वस्तु, जो मूल्यांकन कर्त्ता को आपकी कॉपी में पसंद आयी के आधार पर (लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं) पर दिए गए अंक हैं।

### INSTRUCTION / अनुदेश

1. Please do furnish Name, Email, Roll No and Mobile in the answer sheet.
कृपया उत्तर–पुस्तिका में नाम, ईमेल, रोल नंबर और मोबाइल नंबर भरें।

2. There are **TWENTY** questions printed in ENGLISH & HINDI, all questions are compulsory.
उत्तर पुस्तिका में अंग्रेजी / हिंदी में बीस प्रश्न दिए गए हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न / भाग के लिए निर्धारित अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं।

4. Answers must be written in the medium authorized in the admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided.
उत्तर प्रवेश पत्र में अधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जो कि दिए गए स्थान में इस प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के कवर पर स्पष्ट रूप से लिखा जाना चाहिए।

5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum Answer Booklet must be clearly Struck off.
प्रश्नों में शब्द सीमा, यदि निर्दिष्ट हो, का पालन किया जाए। प्रश्न–सह–उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गये किसी भी पृष्ठ या पृष्ठ के भाग को स्पष्ट रूप से काट दें।

### For Student Only / केवल परीक्षार्थी प्रयोग हेतु

| Start Time/प्रारंभ करने का समय : | End Time/समाप्त करने का समय : |
|---|---|
| 9:30 | 12:30 |
| **Mode Of Examination/** परीक्षा की विधि : | Online/ऑनलाइन ☐ Offline/ऑफलाइन ☑ |

### For Office Use Only / केवल कार्यालय प्रयोग हेतु

| ECN CODE/ ईसीएन कोड : | EG/ईजी : ① ② ③ ④ ⑤ | Evaluation Date/ मूल्यांकन तिथि : |
|---|---|---|

**Note:** You can discuss your evaluated copy with the Mentor. Raise a ticket from your portal to schedule a mentor call or visit the offline centre to meet mentor (all 7 days, Timings – 11 AM to 6 PM). Further if you are unsatisfied with the evaluation, you can seek re-evaluation of the copy.

## EXAMINER'S REMARKS

ForumIAS

CRITERIA FOR THE FEEDBACK SECTION AT THE END OF EACH QUESTION

1. **AWIS = Answered What is Asked.** This means whether you have addressed the core demand of the question or not. Addressing the core demand of the question gets you an objectively fair score. It is examiner's perception if you have understood the question and if you know the answer in the first place. Creative answer writing, sometimes missing the core demand, may fetch very high or very low scores, and exposes your answer to the subjectivity of the examiner.
2. **CD & VA = Content Density & Value Addition.** Examiner will evaluate the quality and quantity of your content in the answer. In the same word limit and space limit have you (a) written what is asked (b) gone beyond what is asked (c) enriched answers through combination of ( but not all!) suggestions, ideas, quotes, flowcharts, diagrams, facts and figures, data etc. This affects objective components of assessment.
3. **S & F = Structure & Flow** = Whether you have structured your answer properly or not. Whether the answer has been broken into parts and sub-parts and each part has been addressed appropriately or not. Whether the flow of the answer is maintained. Affects both subjective and objective components of assessment.
4. **P & R** = How your answer performs on the criteria of **presentation, ease of read, clarity and apparent effort** in writing the answer. This affects the subjective components of assessment.

**Q.1)** In many ways, the Spanish civil war was the opening act of WWII. Comment.

(10 marks, 150 words)

कई मायनों में, स्पेनिश गृहयुद्ध द्वितीय विश्व युद्ध का प्रारंभिक कारण था। टिप्पणी कीजिए।

(10 अंक, 150 शब्द)

स्पेनिश गृहयुद्ध, 1936 से 1939 के मध्य घटित हुआ जिसमें रिपब्लिकन्स तथा नेशनलिस्टों के मध्य सत्ता हेतु संघर्ष किया गया।

स्पेनिश गृहयुद्ध, द्वितीय विश्वयुद्ध का प्रारंभिक कारण:

1. गृहयुद्ध ने यूरोपीय समाज में उभर रहे तानाशाही शासकीय प्रवृत्ति को ठोस आकार प्रदान किया।

2. स्पेनिश गृहयुद्ध में न केवल स्पेन शामिल था बल्कि अफ्रीकी देश यथा मोरक्को के हित भी शामिल थे।

3. स्पेनिश गृहयुद्ध में व्यापक स्तर पर सैन्य गतिशीलता देखी गयी। इसने यूरोप में सैन्यीकरण को बढ़ावा दिया।

4. स्पेनिश गृहयुद्ध में ब्रिटेन, फ्रांस तथा इटली आदि देशों ने भी भू रणनीतिक हितों के मद्देनजर हस्तक्षेप किया।

5. द्वितीय विश्व युद्ध में संपूर्ण यूरोप दो वर्गों में विभक्त था. संभवतः यह वर्गीकरण स्पेनिश गृहयुद्ध से ही उपजा।

6. स्पेनिश गृहयुद्ध ने सत्ता के खिलाफ विद्रोह करना आम बना दिया. जो इटली में मुसोलिनी के उदय को प्रेरित किया।

7. स्पेन का गृहयुद्ध के बाद कमजोर होना. ध्रुवीय राष्ट्रों के लिये मनोवैज्ञानिक बढ़त साबित हुयी।

8. स्पेनिश गृहयुद्ध से लीग ऑफ नेशन्स तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की विफलता उजागर हुयी।

9. गृहयुद्ध से यूरोप में आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुयी जिसका प्रयोग तानाशाही शासकों द्वारा स्वहित में किया गया।

अंततः गृहयुद्ध से उपजी यूरोपीय अव्यवस्था ने द्वितीय विश्व युद्ध हेतु ईंधन का कार्य किया।

Feedback
(For OFFICE use only)

| # | Ⓒ | Ⓐ | Ⓟ |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS

Q.2) How will you explain the different fates of Buddhism and Jainism despite a slew of similarities in the two religions? (10 marks, 150 words)

आप बौद्ध धर्म और जैन धर्म में समानता के बावजूद दोनों धर्मों के अलग-अलग प्रारब्ध की व्याख्या कैसे करेंगे? (10 अंक, 150 शब्द)

जैन व बौद्ध धर्म भारत में छठी शताब्दी ईसा पूर्व में प्रचलित सामाजिक जड़ता के खिलाफ उदित हुये.

दोनों धर्मों में समानता के बिंदु

(1) दोनों ही धर्म इहलौकिक थे जो कर्म तथा मोक्ष में संतुलन स्थापित करते थे. धर्म समावेशी प्रकृति के थे.

(2) त्याग पर बल देने के कारण दोनों ही धर्म बढ़ रहे उपभोक्तावाद के खिलाफ थे.

(3) अपनी शिक्षाओं के माध्यम से दोनों ही धर्मों ने अहिंसा, सत्य जैसे उच्चतर मानवीय मूल्यों की स्थापना पर बल दिया था.

→ हालांकि समाज में स्वीकार्यता तथा अन्य कारणों से जहाँ आज जैन धर्म अभी भी भारत में स्थापित

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

है वहीं बौद्ध धर्म अपनी मातृभूमि से लगभग लगभग वंचित हो चुका है.

(i) सिद्धांतों में शिथिलता:

जहाँ जैन धर्म में अपेक्षाकृत सिद्धांतों का खंडन नहीं हुआ वहीं विहारों में बौद्ध भिक्षुओं ने उन्हीं सिद्धांतों को बढ़ावा दिया जिनके विरोध में बौद्ध धर्म उपजा था. यथा. दान स्वीकार करना.

(ii) राजनीतिक संरक्षण.

ब्राह्मण धर्म के पुनरुत्थान के बाद बौद्ध संरक्षण में कमी आयी तथा बौद्ध विहार चूंकि संपत्ति का केंद्र थे अतः उन्हें बाह्य आक्रमणकारियों का सामना भी करना पड़ा।

(iii) समय के साथ परिवर्तन.

जैन धर्म ने अपेक्षाकृत अधिक परिवर्तनशीलता प्रदर्शित की यथा. खान-पान तथा पहनावे में उदारता।

"हालांकि दोनों ही धर्म भारत की विविधता हेतु महत्वपूर्ण रहे हैं व बौद्ध धर्म आज भी विश्व में प्रचलित है।"

**Feedback**
(For OFFICE use only)

| # | Ⓖ | Ⓐ | Ⓟ |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

| TOTAL MARKS | |
|---|---|

Q.3) Non-Cooperation Movement democratized India's freedom struggle but suffered from inherent limitations. Discuss. (10 marks, 150 words)

असहयोग आंदोलन ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम का लोकतंत्रीकरण किया लेकिन अंतर्निहित सीमाओं से पीड़ित था। चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में 1920-1922 का समय असहयोग आंदोलन का था, जो अपनी विकेंद्रित प्रकृति तथा समावेशिता के कारण अत्यंत प्रभावी रहा है।

स्वतंत्रता संग्राम का लोकतांत्रीकरण

- असहयोग आंदोलन ने आम जनता कि नेतृत्व में विश्वास किया
  - स्थानीय नेताओं का राष्ट्रीय भूमिका में आना यथा ⇒ राजेंद्र प्रसाद.
- ⇒ असहयोग आंदोलन में किसान, मध्य वर्ग तथा श्रमिकों के साथ साथ छात्रों की भी व्यापक सहभागिता
  - रेलवे वर्कर्स हड़ताल
  - सरकारी शिक्षण संस्थाओं का बहिष्करण
- असहयोग आंदोलन ने क्रांतिकारी वर्ग को भी अपने में शामिल किया यथा: सूर्यसेन, आदि की सहभागिता
- खिलाफत के मुद्दे के कारण इस आंदोलन में अभूतपूर्व हिंदू-

मुस्लिम एकता देखी गयी.

हालांकि इन सबके बावजूद आंदोलन कई अंतर्निहित समस्याओं से पीड़ित था.

(i) संगठन में एकरूपता का अभाव.

तिलक तथा उनके अनुयायी आंदोलन में खिलाफत के मुद्दे को शामिल करने के प्रति आशंकित थे।

(ii) उदारवादियों का सहयोग.

उदारवादी वर्ग, कांग्रेस के संवैधानिक परिवर्तन से सहमत नहीं था यथा सप्रू, जिन्ना

(iii) लक्ष्यों में सहमति का अभाव.

गांधी जी ने घोषणा की थी कि एक वर्ष के भीतर स्वराज मिल जायेगा, जबकि स्वराज की परिभाषा ही स्पष्ट नहीं थी।

(iv) असहयोग वापस लेना. चौरी चौरा कांड ने तथा असहयोग वापसी ने आंदोलन के प्रभाव को सीमित किया।

तथापि, इन सबके बावजूद भी असहयोग आंदोलन ने वह पृष्ठभूमि तैयार की जिस पर भारत छोड़ो आंदोलन को सफलता मिली।

Feedback
(For OFFICE use only)

| # | (G) | (A) | (P) |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

| TOTAL MARKS | |
|---|---|

**Q.4)** Critically analyse the efficacy of linguistic reorganization of states in addressing the reasons for linguistic divides in post-independent India. (10 marks, 150 words)

स्वतंत्रता के बाद के भारत में भाषाई विभाजन के कारणों को संबोधित करने में राज्यों के भाषाई पुनर्गठन की प्रभावकारिता का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

स्वतंत्रता के बाद, उभरी हुयी क्षेत्रीय निष्ठा का एक प्रमुख कारण भाषायी पहचान भी थी.

भाषायी विभाजन के कारण:

- भारत में भाषायी बहुलता · 8 वीं अनुसूची में 22 भाषा.
- भाषा, संस्कृति तथा पहचान का प्रमुख घटक.
- दक्षिणी तथा पूर्वी राज्यों में हिंदी के आरोपण का खतरा.
- हिंदी भाषी राज्यों की भारतीय राजनीति में वर्चस्व.
- राज्यों की क्षेत्रीय आकांक्षाएं.

हालांकि धर आयोग, फजल अली आयोग आदि के व्यापक विमर्श के पश्चात राज्य पुनर्गठन अधि. 1956 अपनाया गया जो कई मायनों में भाषायी विभाजन को संबोधित कर सका है.

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(1) महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, आदि राज्यों में भाषा के आधार को गठन का मुख्य आधार बनाया.

(2) आंध्रप्रदेश के गठन के द्वारा तेलगू भाषी व्यक्तियों की आकांक्षाओं को संतुष्ट

(3) पंजाब तथा हरियाणा का विभाजन से

(4) भाषायी विविधता को सम्मान दिया गया

अभी भी कई चुनौतियाँ विद्यमान हैं:-

(1) बुंदेलखंड राज्य: बुंदेली भाषा के आधार पर स्वायत्त राज्य की मांग.

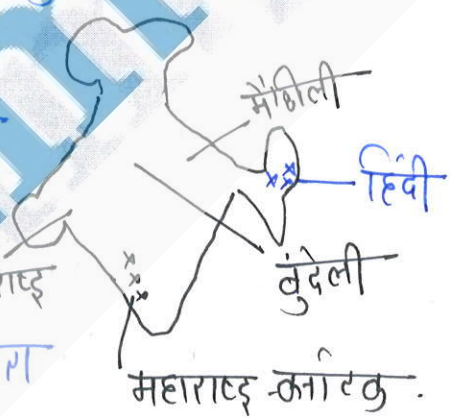


(2) मैथिली, भोजपुरी आदि वर्गों द्वारा मांग

(3) महाराष्ट्र व कर्नाटक के मध्य भाषायी मुद्दों के कारण संघर्ष.

(4) पूर्वोत्तर के राज्यों में भाषायी विविधता

...उपर्युक्त भाषायी विभाजन को विविधता का अंग मानते हुये त्रिभाषा सूत्र के उपयोग के माध्यम से हल किया जा सकता है।"

**Feedback**
(For OFFICE use only)

| # | © | Ⓐ | Ⓟ |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

| TOTAL MARKS | |
|---|---|

**Q.5)** Briefly discuss the role of plate tectonics theory in explaining the location of volcanoes. Also, explain the multifarious impacts of volcanoes on the surrounding regions.
(10 marks, 150 words)

ज्वालामुखियों की अवस्थिति को समझाने में प्लेट टेक्टोनिक सिद्धांत की भूमिका पर संक्षेप में चर्चा कीजिए। साथ ही, आसपास के क्षेत्रों पर ज्वालामुखियों के विविध प्रभावों की व्याख्या कीजिए।
(10 अंक, 150 शब्द)

ज्वालामुखीयता, अंतर्जात आकस्मिक भू संचलन का परिणाम है जिसमें पृथ्वी के भीतर से मैग्मा तथा अन्य पदार्थों का बहिस्त्रावण होता है।




अवस्थिति

परिप्रशांत क्षेत्र

मध्यमहाद्वीप क्षेत्र

मध्यसागरीय अटलांटिक क्षेत्र

प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत की भूमिका

(1) ज्वालामुखी मुख्यतः अभिसारी प्लेट सीमाओं के किनारे स्थित होते हैं:
यथा: हवाईयन द्वीप के ज्वालामुखी.

(2) एक अन्य क्षेत्र अपसारी सीमाओं के समानांतर भी स्थित होता है
यथा: महासागरीय अटलांटिक क्षेत्र

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(3) हालांकि 5% ज्वालामुखी तप्त स्थलों के किनारे भी स्थित होते है।

ज्वालामुखी के विविध प्रभाव :

नकारात्मक

(i) वैश्विक वायु परिसंचरण को बाधित

(ii) भूकंप का कारण

(iii) प्राकृतिक पर्यावास की हानि

(iv) सभ्यताओं का अंत
:) मिनोअन सभ्यता

(v) बाढ़ तथा सुनामी को प्रेरित करता है।

(vi) द्वीपीय देशों की अर्थव्यवस्था बाधित

सकारात्मक

(i) रचनात्मक स्थलाकृतियों को जन्म
=> द्वीपों की उत्पत्ति

(ii) संसाधनों की प्राप्ति
:) खनिज संसाधन

(iii) काली मिट्टी का स्रोत: दक्कन ट्रैप

(iv) प्यूमिस आदि पत्थरों की प्राप्ति

(v) चट्टानों के निर्माण में सहायक आग्नेय बेसाल्ट.

" ज्वालामुखी एक प्राकृतिक घटना है जो पृथ्वी के आकार तथा गतिविधि को व्यापक पैमाने पर प्रभावित करती है। "

Feedback
(For OFFICE use only)

| # | G | A | P |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.
TOTAL MARKS

**Q.6)** Taking further the success of Aspirational Districts Programme, Aspirational Blocks can help achieve the twin objectives of balanced growth and checking stress migration. Comment.

(10 marks, 150 words)

आकांक्षी जिला कार्यक्रम की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, आकांक्षी ब्लॉक संतुलित विकास और संकट रोधी प्रवासन के नियंत्रण के दोहरे उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। टिप्पणी कीजिए।

(10 अंक, 150 शब्द)

आकांक्षी जिला कार्यक्रम : नीति आयोग की पहल है, जो विकास की ~~सफल~~ प्रक्रिया में पिछड़े जिलों पर केंद्रित है। आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम इसी का विकेंद्रित रूप है।

आकांक्षी जिला कार्यक्रम की सफलता →
- स्वास्थ्य तथा शिक्षा के मानकों में सुधार ○ बुंदेलखंड के आदिवासी जिलों
- राजस्थान, हरियाणा में बालविवाह में कमी
- पिछड़े जिलों में अवसंरचना विकास।

संतुलित विकास और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम

① इन जिलों में भी विकास की प्रक्रिया में ग्रामीण खंड पीछे छूट गये हैं।

② आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम इन खंडों को लक्षित है।

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

विकेंद्रीकरण के माध्यम से यह स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास को सुनिश्चित करेगा।

③

- उपर्युक्त क्लॉकों में रोजगार के अवसर सृजित करेगा।
- उत्प्रवास को बढ़ावा
- शहरों में बेरोजगारी को कम करने में सहायक
- क्लॉक के विकास में स्थानीय मानवीय संसाधनों का उपयोग
- शिक्षा तथा स्वास्थ्य हेतु उपयुक्त अवसंरचना का विकास
- प्रवासन का मुख्य कारण रोजगार के वैकल्पिक अवसरों का सृजन.

∴ हालांकि उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु आकांक्षी क्लॉक कार्यक्रम का आवधिक निरीक्षण सुनिश्चित करना होगा।

**Feedback**
(For OFFICE use only)

| # | Ⓒ | Ⓐ | Ⓟ |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

| TOTAL MARKS | |
|---|---|

Q.7) Describe the critical factors for location of defense industries and suggest measures to overcome the challenges. (10 marks, 150 words)

रक्षा उद्योगों के अवस्थिति के लिए महत्वपूर्ण कारकों का वर्णन कीजिए और चुनौतियों पर काबू पाने के उपाय सुझाइए। (10 अंक, 150 शब्द)

रक्षा क्षेत्रक में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य भारत में रक्षा उद्योगों की अवस्थिति को प्रोत्साहित कर रहा है-

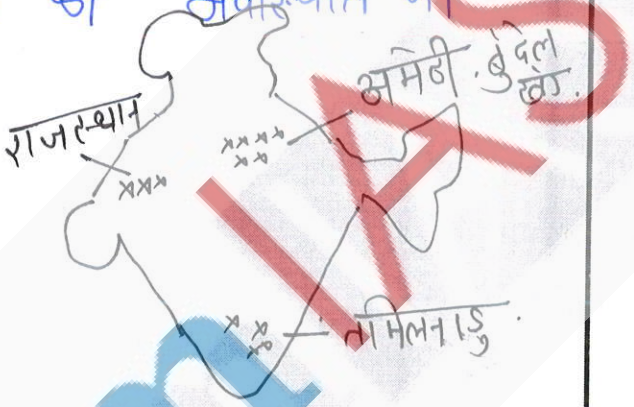


महत्वपूर्ण कारक: उद्योग की अवस्थिति में

① सरकारी नीति:

चूँकि रक्षा उद्योग प्राकृतिक संसाधनों पर अन्य उद्योगों की अपेक्षा कम निर्भर हैं अतः इनकी अवस्थिति सरकारी नीतियों से अधिक प्रभावित होती है।

- बुंदेलखंड में रक्षा कॉरिडोर
- अमेठी में AK-203 उत्पादन

② अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:

चूँकि रक्षा उद्योग अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से संचालित किये जाते हैं अतः क्षेत्र में स्थिरता, सुरक्षा आदि महत्वपूर्ण हो जाती है।

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(iii) ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति: बिजली, जल, परिवहन आदि संसाधन महत्वपूर्ण हो जाते हैं यथा: दाहेज में संकेन्द्रण का कारण।

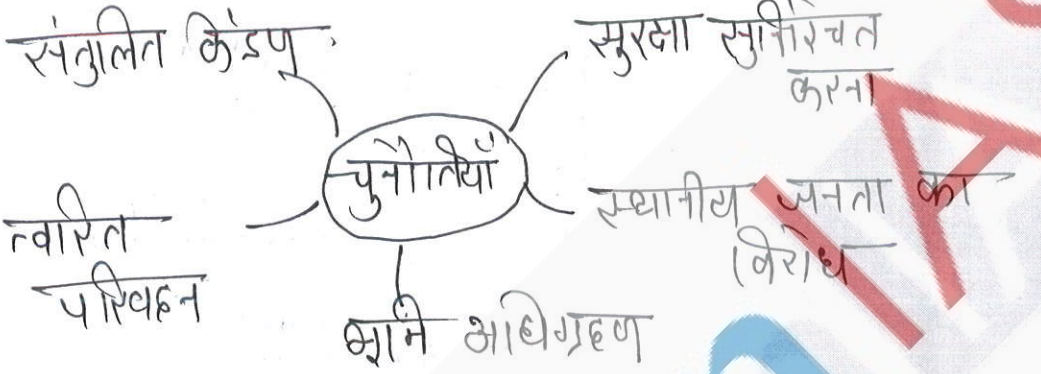

चुनौतियाँ:
- संतुलित केंद्रण
- सुरक्षा सुनिश्चित करना
- स्थानीय जनता का विरोध
- भूमि अधिग्रहण
- त्वरित परिवहन

उपाय:
- CISF की तर्ज पर विशेषीकृत इकाई का गठन
- स्थानीय जनता को मिलने वाले आर्थिक व निवेश लाभों से अवगत कराना।
- एक ही राज्य की अपेक्षा विभिन्न राज्यों में बाँटकर आपूर्ति व्यवस्था ठीक करना
- परिवहन हेतु रेल आदि साधनों का आधुनिकीकरण।

"रक्षा उद्योग भारत को नेट सुरक्षा प्रदाता की भूमिका हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है"

Feedback
(For OFFICE use only)

| # | G | A | P |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

| TOTAL MARKS | |
|---|---|

**Q.8)** To what extent can Socio-Economic-Caste Census (SECC) address the challenges in achieving equitable resource allocation and targeted welfare? (10 marks, 150 words)

सामाजिक–आर्थिक–जाति जनगणना किस हद तक समान संसाधन आवंटन और लक्षित कल्याण प्राप्त करने में आने वाली चुनौतियों का समाधान कर सकती है? (10 अंक, 150 शब्द)

वर्तमान राजनीतिक डिस्कोर्स में सामाजिक न्याय हेतु सामाजिक आर्थिक जनगणना को अवश्यंभावी माना जा रहा है।

सामाजिक आर्थिक जनगणना और समान संसाधन आवंटन

(i) जनगणना नीति निर्माण हेतु आवश्यक इनपुट प्रदान करेगी।

(ii) यह स्पष्ट होगा कि आजादी के 75 सालों में कौन सा वर्ग विकास की प्रक्रिया में वंचित रहा है।

(iii) आरक्षण: सामाजिक न्याय का साधन था; यह स्पष्ट हो सकेगा कि किस वर्ग को कितने आरक्षण की आवश्यकता है।

: रोहिणी आयोग ने OBC के मध्य आरक्षण को तार्किक बनाने का सुझाव दिया है।

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(b) निम्न वर्गों को राज्य का सहयोग प्राप्त हो सकेगा | यथा: पूर्वोत्तर: पूर्वी भारत की जनजातियाँ

लक्षित कल्याण में आने वाली चुनौतियों का समाधान:

① अंत्योदय वर्ग के विकास हेतु विशेषीकृत योजनाओं का निर्माण संभव

② राज्य तथा निजी क्षेत्र का सहयोग संभव

③ विकास की मुख्यधारा में आने का अवसर

④ योजनाओं का तार्किकीकरण सुनिश्चित होगा।

हालांकि समाजशास्त्रियों द्वारा यह भी सुझाया गया है कि सामाजिक आर्थिक जातिगत जनगणना, भारतीय समाज में विभाजन तथा वोट बैंक पॉलीटिक्स को बढ़ावा दे सकती है।

"अतः इन दोनों पक्षों में संतुलन स्थापित करने की आवश्यकता होगी।"

Feedback
(For OFFICE use only)

| # | Ⓖ | Ⓐ | Ⓟ |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

| TOTAL MARKS | |
|---|---|

**Q.9)** Indian society is premised on some common values that give it a composite texture as well as some diverse practices that deepen its heterogeneity. Elucidate. (10 marks, 150 words)

भारतीय समाज कुछ सामान्य मूल्यों पर आधारित है जो इसे एक समग्र संघटन प्रदान करते हैं और साथ ही कुछ विविध प्रथाएं भी हैं जो इसकी विविधता को गहन करती हैं। व्याख्या कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

भारतीय समाज एक जीवंत इकाई है जिसका निर्माण कुछ सामान्य मूल्यों के आधार पर हुआ है, किंतु विकास के क्रम में इसने विविधताओं का भी स्वागत किया है.

भारतीय समाज के सामान्य मूल्य

(i) परिवार की प्रतिष्ठा: प्रत्येक जाति, धर्म, वर्ग में परिवार की सत्ता स्पष्ट है. (वर्तमान में भी परिवार समाजीकरण का प्राथमिक कारक है)

(ii) विवाह की संस्था: पश्चिम के विपरीत भारतीय समाज में विवाह की संस्था सतत रूप से कायम है।

(iii) सहअस्तित्व: भारतीय समाज न केवल मानवीय सहअस्तित्व को मानता है

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

बल्कि यह प्राणीमात्र के प्रति दया का भाव रखता है। : पीपल की पूजा
शेर : दुर्गा माँ का वाहन

(15) व्यक्ति तथा समाज में संतुलन : समाज की मूलभूत मान्यताओं के भीतर वैयक्तिक स्वतंत्रता
→ भारत में लिव इन, प्रेमविवाह, से-व्यागत विवाह सभी की उपस्थिति
→ एकल परिवार तथा संयुक्त परिवार का सहअस्तित्व

विविधता को आकार देती प्रथाएँ ⇒ मंदिर - मस्जिद - चर्च - गुरुद्वारा सभी के प्रति सम्मान का भाव
→ भाषायी विविधता : 8 वीं अनुसूची 22 भाषाएँ
→ व्यंजन तथा वेशभूषा में विविधता

भारतीय समाज विविधता के साथ साथ सार्वभौमिक मूल्यों को धारण करता है जो इसकी विलक्षण विशेषता है।

Feedback
(For OFFICE use only)

| # | Ⓖ | Ⓐ | Ⓟ |
| --- | --- | --- | --- |
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

| TOTAL MARKS | |
| --- | --- |



ForumIAS

**Q.10)** What are the factors that influence population growth in the country? In this perspective, examine the relevance and need of raising the minimum marriageable age of women for population development.

(10 marks, 150 words)

देश में जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित करने वाले कारक क्या हैं? इस परिप्रेक्ष्य में, जनसंख्या विकास के लिए महिलाओं की न्यूनतम विवाह योग्य आयु बढ़ाने की प्रासंगिकता और आवश्यकता की परीक्षण कीजिए।

(10 अंक, 150 शब्द)

यूएन जनसंख्या रिपोर्ट के अनुसार भारत, चीन को पीछे छोड़ते हुये सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है।

जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित करने वाले कारक

→ सामाजिक कारक : ग्रामीण भारत में संख्या बल को महत्व। संयुक्त परिवार का मूल्य

→ धार्मिक कारक : धार्मिक अनुष्ठानों तथा जन्म मृत्यु के क्रियाकर्म हेतु पुत्र की आवश्यकता का विश्वास।

→ सांस्कृतिक कारक : बेटी को पराया धन मानना। समाज की बहुलतावादी प्रवृत्ति।

→ आर्थिक कारक : निम्न मृत्यु दर। स्वास्थ्य अवसरों में वृद्धि। ज्यादा लोगों द्वारा ज्यादा आय का विश्वास।

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

## महिलाओं के न्यूनतम विवाह योग्य आयु बढ़ाने की प्रासंगिकता तथा आवश्यकता

जया जेटली समिति - इससे प्रजनन उम्र में वृद्धि होगी

(2) महिलाओं की शिक्षा में वृद्धि ⇒ परिवार नियोजन बेहतर

(3) बेहतर मानवीय संसाधन : शिक्षित महिला बच्चों की शिक्षा तथा स्वास्थ्य में निवेश

(4) संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा.

(5) महिला स्वास्थ्य में वृद्धि, बच्चों का त्वरित विकास संभव।

⇒ हालांकि भारत में विवाह की औसत आयु 23 वर्ष है अतः विवाह की उम्र में वृद्धि पहले से हो चुकी है।

जनसंख्या विकास के लिये आयु में वृद्धि के साथ शिक्षा व स्वास्थ्य में विकास करना सर्वोत्तम उपाय होगा।

**Feedback**
(For OFFICE use only)

| # | G | A | P |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

| TOTAL MARKS | |
|---|---|

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

**Q.11)** Bring out the reasons behind the tribal unrest in British India. Also, analyze the reasons for their limited success. (15 marks, 250 words)

ब्रिटिश भारत में जनजातीय अशांति के पीछे के कारणों पर प्रकाश डालिए। साथ ही, उनकी सीमित सफलता के कारणों का भी विश्लेषण कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

भारत में अंग्रेजों द्वारा अपनायी गयी सामाजिक आर्थिक प्रणालियों ने मुख्य भूमि के साथ साथ जनजातीय क्षेत्रों को भी विद्रोह हेतु प्रेरित किया




ब्रिटिश भारत में जनजातीय अशांति के पीछे के कारण

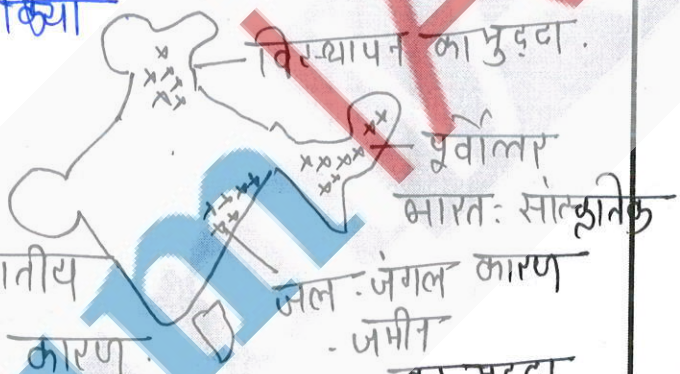

(i) भूमि से विस्थापन

ब्रिटिशों द्वारा कृषि के विस्तार तथा नयी राजस्व प्रणालियों को अपनाने से जनजातियों को बाहरी व्यक्तियों से अपनी भूमि की रक्षा करनी पड़ी-

यथा: 19वीं सदी का संथाल विद्रोह.

(ii) आदिवासी व्यक्तियों के अधिकारों को मान्यता न देना

भारत में अंग्रेजों के आगमन

से पहले तक शिकार के अलावा जनजातीय क्षेत्र अबाधित थे। किंतु अंग्रेजों ने वनों के दोहन हेतु जनजातीय अधिकारों को मान्यता नहीं दी।

(iii) जल-जंगल-जमीन का छिनना - इससे जनजातियों के समक्ष आजीविका का संकट उत्पन्न हुआ।

(iv) संस्कृति को खतरा - बाहरी लोगों के प्रवेश से जनजातियों में संस्कृतीकरण देखा गया जो उनकी स्थानीय संस्कृति के विरोध में था.

(v) जनजातियों की सैन्य भागीदारी - कुकी विद्रोह का प्रमुख कारण अंग्रेजों द्वारा जनजातियों का सैन्य उपयोग था.

जनजातियों ने अपनी अशांति को विद्रोहों के माध्यम से प्रकट किया किंतु उन्हें सीमित सफलता ही हाथ लगी.

कारण :

(i) जनजातियों के पास पारंपरिक तीर-धनुष

जैसे हथियार ही दो।

(2) जनजातियों में संगठन का अभाव था।

(3) सामान्यतः प्रत्येक जनजाति ने किसी एक व्यक्ति में ईश्वरीय गुणों को देखा।

(4) जनजातीय विद्रोहों में उद्देश्य की एकरूपता का अभाव था।

(5) जनजातियों के असंतोष को मुख्य धारा के नेतृत्व से आवश्यक सहायता नहीं प्राप्त हुयी।

(6) अंग्रेजों ने इन्हें असभ्य मानकर इनका दमन किया तथा अपराधी जाति घोषित करना।

(7) पूर्वोत्तर तथा मुख्यधारा में जनजातियों में संवाद का अभाव था।

"सीमित सफलता के बावजूद जनजातीय संघर्ष, भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष की अमूल्य विरासत है जिसकी परिणति स्वतंत्र भारत में जनजातीय अधिकारों के साथ हुयी।"

**Feedback**
(For OFFICE use only)

| # | Ⓖ | Ⓐ | Ⓟ |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

| TOTAL MARKS | |
|---|---|

**Q.12)** The independence of India was not a result of a forced expulsion of the Empire, as desired by the Quit India Movement; it was rather a confluence of domestic politics and global circumstances. Analyze. (15 marks, 250 words)

भारत की स्वतंत्रता साम्राज्य के बलपूर्वक निष्कासन का परिणाम नहीं थी, जैसा कि भारत छोड़ो आंदोलन की इच्छा थी; यह घरेलू राजनीति और वैश्विक परिस्थितियों का संगम था। विश्लेषण कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

स्वदेशी, असहयोग तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन के पश्चात भारत की स्वतंत्रता, बलपूर्वक, हिंसक न होकर कई कारकों का परिणाम थी.

भारत की स्वतंत्रता में घरेलू राजनीतिक परिस्थितियों का योगदान.

(1) 1940 के दशक तक प्रत्येक भारतीय स्वतंत्रता की भावना से ओत प्रोत हो चुका था।

(2) राष्ट्रीय नेतृत्व, स्वतंत्रता तथा सत्ता हस्तांतरण विषय के अलावा किसी बात में शामिल नहीं होना चाहता था
:) प्रथम तथा तृतीय गोलमेज सम्मेलन का बहिष्कार.

③ स्वतंत्रता के मुद्दे पर कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग दोनों में समान राय थी।

④ ब्रिटिश सत्ता की आधारशिला नौकरशाही तथा सेना में भी स्वतंत्रता के तत्व प्रबल हो रहे थे।
यथा- 1946 का रॉयल नौसेना विद्रोह।

⑤ भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में समाजवादी गुट हिंसक रास्तों की ओर बढ़ रहा था जो ब्रिटिश हितों के प्रतिकूल था।

वैश्विक परिस्थितियाँ

① द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात नयी विश्व शक्ति संरचना का उदय < अमेरिका / सोवियत संघ

② ब्रिटिश साम्राज्य अब वैश्विक शक्ति नहीं था।

③ नई महाशक्तियों ने अपने हितों के अनुरूप

औपनिवेशिक राष्ट्रों की स्वतंत्रता को बढ़ावा दिया।

(4) भारत में शासन करने की लागत में वृद्धि हो गयी थी: यह अंग्रेजों को परेशान कर रहा था।

(5) ब्रिटेन में मजदूर पार्टी की स्थापना तथा सत्ता में आना भी भारतीय स्वतंत्रता की माँग के अनुकूल था।

(6) सोवियत संघ का हस्तक्षेप तथा भारत में समाजवादी नेतृत्व भी ब्रिटिश हितों के प्रतिकूल था।

(7) ब्रिटिश कॉमनवेल्थ हेतु अंग्रेज भारत से अच्छे संबंध रखना चाहते थे।

अतः भारतीय स्वतंत्रता बलपूर्वक निष्कासन की जगह जैविक प्रक्रिया का परिणाम थी जिसमें घरेलू तथा वैश्विक कारकों दोनों का योगदान रहा।

| # | Ⓖ | Ⓐ | Ⓟ |
| --- | --- | --- | --- |
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Feedback (For OFFICE use only)

Please put tick marks in the above table.

Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

**Q.13)** Explain why Sufism, a liberal reform movement in Islam could deepen its roots in the Indian sub-continent, despite Islam being a foreign religion? Also, bring out the impacts of Sufism on Indian society. (15 marks, 250 words)

बताएं कि इस्लाम में एक उदारवादी सुधार आंदोलन, सूफीवाद, एक विदेशी धर्म होने के बावजूद, भारतीय उपमहाद्वीप में अपनी जड़ें क्यों गहरी कर सका? साथ ही, भारतीय समाज पर सूफीवाद के प्रभावों पर भी प्रकाश डालिए। (15 अंक, 250 शब्द)

14 वीं सदी से ही भारत में सूफीवाद अपनी जड़ें स्थापित कर रहा था, जो भारत के भक्ति आंदोलन के साथ मिलकर अत्यंत सफल हुआ।

सूफीवाद की भारतीय उपमहाद्वीप में सफलता के कारण

(1) भारतीय तत्वों का समावेश

सूफीवाद का अन अल हक: भारतीय अवधारणा अहं ब्रह्मास्मि का ही रूप था। सूफियों ने इस्लाम को यथारूप मानने की जगह उसमें कुछ परिवर्तन किये जैसे प्रेम के तत्व की स्थापना। भारतीयों के लिये सूफीवाद इस्लाम की भाँति अपरिचित नहीं था।



ForumIAS

(11) जनता से भावुक संबंध.

सूफियों को 'प्रेम के पीर' की संज्ञा दी जाती है। निजामुद्दीन औलिया आदि ने जनता के मध्य उन्हीं की भाषा में संदेश दिया।

(111) भारतीयों की भावनाओं का सम्मान:

सूफीवाद ने अपनी धार्मिक संदेशों में धर्मांतरण को प्रेरित न करके भारतीय जीवन शैली के तत्वों को भी शामिल किया- कीर्तन आदि.

(14) सूफी कवियों की भूमिका: सूफी कवियों ने भारतीय पौराणिक आख्यानों पर ग्रंथों की रचना की यथा:

जायसी कृत पद्मावत
कुतबन कृत मृगावती.

सूफीवाद के भारतीय समाज पर प्रभावों को आज भी देखा जा सकता है-

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(i) सामाजिक संस्कृति - सूफीवाद ने धार्मिक समन्वय तथा गंगा-जमुनी तहजीब के विकास में अत्यंत योगदान दिया

(ii) भाषायी बहुलता - भारत की मुख्य भाषा हिंदी में फारसी तत्वों की बहुलता है

(iii) इस्लाम के प्रति अभिवृत्ति परिवर्तन - तानाशाही शासकों की जगह सूफी संतों ने इस्लाम के प्रति सकारात्मक रूख उत्पन्न किया।

(iv) नृत्य-संगीत में नये तत्व - भारतीय संगीत में सूफीवाद का प्रभाव आज भी दृष्टव्य है यथा - कोक स्टूडियो [Coke studio]

" सूफीवाद ने समाज में प्रेम के तत्व को घोला तथा गंगा-जमुनी तहजीब की स्थापना में मुख्य भूमिका निभायी।"

**Feedback**
(For OFFICE use only)

| # | G | A | P |
|---|---|---|---|
| AWJS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

| TOTAL MARKS | |
|---|---|



ForumIAS

**Q.14)** Enumerate the reasons behind rising intensity and frequency of cyclones in the Arabian Sea in recent years. Giving special reference to NDMA guidelines, recommend measures to check the adverse impacts of cyclones. (15 marks, 250 words)

हाल के वर्षों में अरब सागर में चक्रवातों की बढ़ती तीव्रता के कारणों को गणना कीजिए। NDMA दिशानिर्देशों का विशेष संदर्भ देते हुए चक्रवातों के प्रतिकूल प्रभावों को रोकने के उपायों की सिफारिश कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

चक्रवात निम्न वायुदाब की एक प्रणाली है जिसमें हवाएँ परिधि से केंद्र की ओर चला करती है।

हाल के वर्षों में जलवायु परिवर्तन, वैश्विक वायु परिसंचरण में परिवर्तन स्वरूप अरब सागर में चक्रवातों की बहुलता देखी गयी है। यथा विपर्जाय चक्रवात




चक्रवात

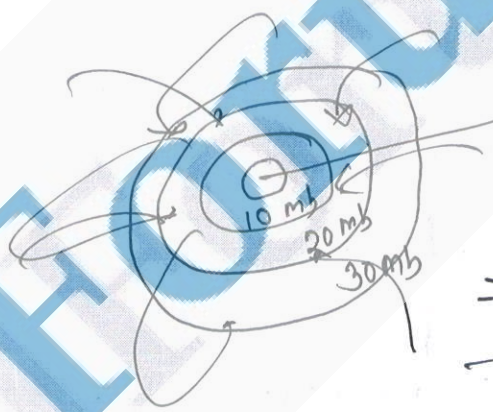

चक्रवात की बढ़ती तीव्रता के कारण

(1) वैश्विक तापन

महासागर में जल का गर्म

ForumIAS

होना अरब सागर में निम्न वायु दाब को स्थापित करता है.

(ii) ENSO में अनियमितता

वर्तमान में डिपल डिप लानीना की घटना देखी जा रही है जो प्रशांत तथा हिंद महासागर में दाब को प्रभावित कर रहा है।

(iii) अरब सागर में अम्लीकरण में वृद्धि

इससे अरब सागर में ताप वृद्धि हो जाती है।

(iv) मानसून में अनियमितता

मानसून के आगमन के महीने सक्रिय चक्रवात वाले होते है किंतु वर्तमान में मानसून पैटर्न में अनियमितता चक्रवातों की संख्या में वृद्धि कर रही है।

चक्रवातों को रोकने के तथा प्रतिकूल प्रभाव को कम करने हेतु उपाय

ForumIAS

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

उपाय

→ पूर्वसूचना प्रणाली को सशक्त- चक्रवात की गति व दिशा की भविष्यवाणी में सहायक आपदारोधी एजेंसियों को अधिक समय की प्राप्ति-

→ अस्थायी अवसंरचना का विकास- NDMA के अनुसार तटीय राज्यों में अस्थायी अवसंरचना से जान की क्षति में कमी की जा सकती है

→ वैश्विक सहयोग- चक्रवातों की घोषणा तथा सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने में सहायक

→ स्थानीय संस्थाओं की सहभागिता- चक्रवात जैसी आपदा के प्रबंधन में स्थानीय ज्ञान, मुख्य भूमिका निभाता है

⇒ ओडिशा के चक्रवात प्रबंधन में मुख्य भूमिका-

"साथ ही चक्रवात के प्रभाव को कम करने हेतु मॉक ड्रिल तथा तटीयराज्यों में सुभेद्यता मानचित्रण अत्यंत उपयोगी साबित होता है"

Feedback
(For OFFICE use only)

| # | Ⓖ | Ⓐ | Ⓟ |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.
TOTAL MARKS

**Q.15)** Examine the impacts of climate change on the hydrological cycle and suggest suitable mitigation and adaptation strategies to contain the harmful implications. (15 marks, 250 words)

हाइड्रोलॉजिकल चक्र पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की जांच कीजिए और हानिकारक प्रभावों को रोकने के लिए उपयुक्त शमन और अनुकूलन रणनीतियों का सुझाव दीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

IPCC के अनुसार आने वाले दशक में जलवायु परिवर्तन के कारण विश्व को जल युद्ध का सामना करना पड़ सकता है।

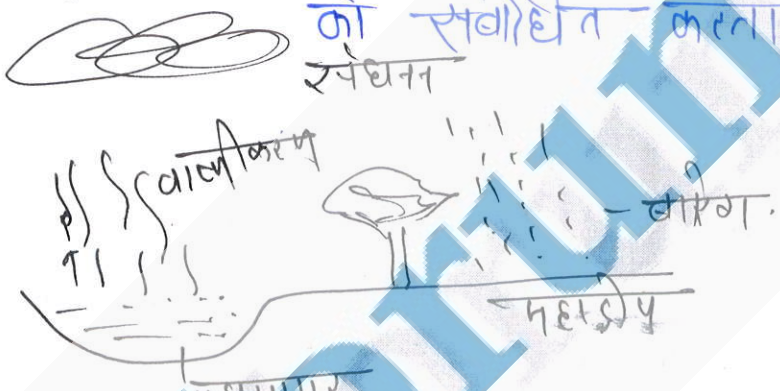

हाइड्रोलॉजिकल चक्र: यह जल की सतत व्यवस्था को संबोधित करता है।







हाइड्रोलॉजिकल चक्र.

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव

① महासागरों में अम्लीकरण तथा तापवृद्धि से

अनपेक्षित वाष्पीकरण हो रहा है।

(i) ग्लेशियरों के पिघलने से जलचक्र में जल की बहुलता हो जाती है जो असतत है।

(ii) जलचक्र में हानिकारक गैसों, ओजोन आदि के शामिल होने से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

(iii) कृत्रिम वर्षा कराने से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है।

(iv) तेजी से बढ़ता मरुस्थलीकरण जलचक्र की आपूर्ति को बाधित करता है।

हानिकारक प्रभाव
- जल संकट
- जलीय जीवों की सुरक्षा पर खतरा
- जल की गुणवत्ता में कमी
- खाद्य असुरक्षा
- प्राकृतिक संसाधनों का क्षय

शमन व अनुकूलन रणनीतियाँ

(i) जल की उपलब्धता के अनुरूप कृषि करना

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

⇒ हरियाणा सरकार दालों की खेती हेतु किसानों को प्रोत्साहन.

(2) जल संरक्षण को बढ़ावा देना यथा
कैच द रेन मिशन.

(3) जल की उपयोगिता में दक्षता लाना
⇒ पर ड्रॉप मोर क्रॉप.

(4) नदीय जुड़ाव आदि की दिशा में कार्य करना.

(5) महासागरीय संसाधनों का प्रबंधन
⊙ अम्लीयता में कमी हेतु जलवायु लक्ष्यों को पूरा करना
⊙ SDG की दिशा में कार्य करना.

(6) विकासशील देशों को आवश्यक तकनीकी तथा वित्तीय सहायता मुहैया कराना.

"2030 तक SDG-6 (जल संसाधनों का प्रबंधन) की प्राप्ति में जल का इष्टतम उपयोग अत्यावश्यक होगा"

Feedback
(For OFFICE use only)

| # | Ⓖ | Ⓐ | Ⓟ |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

| TOTAL MARKS | |
|---|---|


ForumIAS

**Q.16)** Defining continental shelf, highlight its resource potential and ecological significance.
(15 marks, 250 words)

महाद्वीपीय मग्नतट को परिभाषित करते हुए इसकी संसाधन क्षमता और पारिस्थितिक महत्व पर प्रकाश डालिए।
(15 अंक, 250 शब्द)

महाद्वीपीय मग्नतट महाद्वीपों का सीमांत भाग होता है जो महासागर - महाद्वीप जुड़ाव को संभव बनाता है।

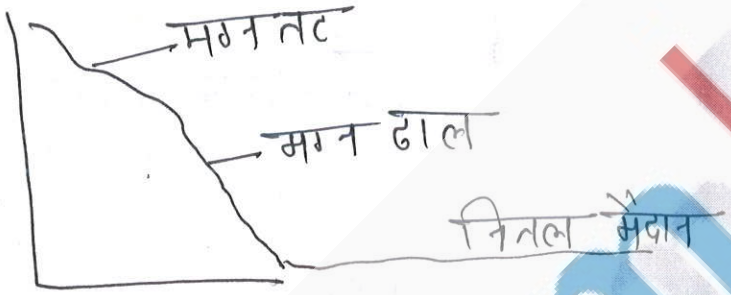


महाद्वीपीय मग्नतट इकोटोन का कार्य करते हैं जिससे इनकी संसाधन क्षमता व पारिस्थितिकी महत्व दोनों में असीम वृद्धि होती है।

संसाधन क्षमता

① महाद्वीपीय मग्नतट की ढाल 200 m तक होती है। इस गहराई तक सूर्य का प्रकाश संभव होता है।

ForumIAS

(2) सूर्य प्रकाश की उपस्थिति में प्राकृतिक वनस्पतियों तथा जीवों का विकास होता है।

(3) इनके द्वारा महाद्वीपीय मग्नतट में जैविक अवशेष जमा होते रहते हैं। जिनसे मग्नतट पेट्रोलियम संसाधनों का भी स्रोत होते हैं।

(4) मग्नतट पॉलीमैट्यालिक नॉड्यूल्स का भी स्रोत होते हैं।

(5) मग्नतट विश्व के बेहतर मत्स्य पालन क्षेत्र है यथा- ग्रैंड तट, अटलांटिक, जापान के समीप तटीय क्षेत्र।

पारिस्थितिकी महत्व

(1) जैवविविधता का स्रोत

इकोटोन की भूमिका के कारण मग्नतटों में विशिष्ट जीवों का विकास होता है।

(2) पादप प्लवक आदि का प्रचुर स्रोत होते

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें )

के कारण मगनतट समुद्री जीवों हेतु आश्रय का कार्य करते है।

(3) मगनतट, प्रवालों के लिये भी कॉलोनी की भूमिका निभाते है।

(4) महाद्वीपीय मगनतटों में मछलियों की विशाल आबादी पायी जाती है।

(5) मगनतट, जलीय पारिस्थितिकी तंत्र की आधारशिला का कार्य करते हैं

- खाद्य प्रदान करके
- आश्रय प्रदान करके
- खाद्य श्रृंखला को सतत रखकर
- ऊर्जा की उपलब्धता के द्वारा

महाद्वीपीय मगनतट पृथ्वी पर संभावना वाले क्षेत्र हैं. जिनका पर्याप्त संरक्षण किया जाना चाहिए।

Feedback
(For OFFICE use only)

| # | Ⓖ | Ⓐ | Ⓟ |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS

**Q.17)** Rooted in patriarchal values, gender-based violence, in all its manifestations, is antithetical to societal growth. Explain. (15 marks, 250 words)

पितृसत्तात्मक मूल्यों में निहित, लिंग आधारित हिंसा, अपनी सभी अभिव्यक्तियों में, सामाजिक विकास के प्रतिकूल है। व्याख्या कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

भारत में प्रत्येक 3 में से एक महिला परिवार में पितृसत्तात्मक हिंसा का सामना करती है। : लैन्सेट

पितृसत्तात्मक मूल्यों में निहित लिंग आधारित हिंसा

बालिकाओं को अवसरों से वंचित करना
हिंसा की सामाजिक स्वीकृति
हिंसा के कृत्यों की अंडर-रिपोर्टिंग
पंचायतों आदि के द्वारा सहमति प्रदान करना
प्रजनन अधिकारों से वंचित करना
सार्वजनिक जीवन में सहभागिता न होने देना

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

लिंग आधारित हिंसा सामाजिक विकास के प्रतिकूल :

(i) संसाधनों में कमी : राष्ट्र की 50% आबादी का वंचन ; आर्थिक सामाजिक विकास हेतु संसाधनों की आपूर्ति को बाधित करता है

(ii) आर्थिक विकास का बाधित होना :

IMF के अनुसार महिलाओं की आर्थिक कार्यों में समान भागीदारी भारत की जीडीपी को 8.3% से बढ़ायेगा

(iii) सामाजिक गतिशीलता में कमी

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा समाज को पीछे ले जाती है यथा :

अफगानिस्तान में तालिबानी शासन

(iv) मानव संसाधन में कमी

लिंग आधारित हिंसा —— महिला स्वास्थ्य, शिक्षा, सहभागिता को बाधित करता है।

:) भारत में प्रजनन उम्र की आधे

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें )

से अधिक महिलाएँ हिंसा से पीड़ित हैं।

(५) राष्ट्र की प्रगति में बाधा

स्मार्ट अर्थव्यवस्था राष्ट्र को अग्रणी पंक्ति में खड़ा करती है यथा जापान में वीमेनॉमिक्स

(६) सामाजिक मूल्यों में गिरावट

प्रेम, करुणा, परिवार, सहअस्तित्व आदि मूल्यों में लिंग आधारित हिंसा से गिरावट आती है।

समाधान
- हिंसा हेतु नियमों का अनुपालन
- बॉटम-अप कि द्वारा महिला भागीदारी को बढ़ावा
- आर्थिक विकास करना
- राजनीतिक सशक्तीकरण

" समाज में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता के बिना समावेशी विकास तथा सामाजिक न्याय दोनों की प्राप्ति प्रभावित होती है। "

**Feedback**
(For OFFICE use only)

| # | G | A | P |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

| TOTAL MARKS | |
|---|---|

**Q.18)** The caste calculus in the Indian society remains predominant and continues to project its shadow on social, political, and economic domains. Do you agree? Substantiate your answer.
(15 marks, 250 words)

भारतीय समाज में जातिगत गणना प्रमुख बनी हुई है और सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों पर अपनी छाया डालती रहती है। क्या आप सहमत हैं? अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिए । (15 अंक, 250 शब्द)

जाति भारतीय समाज को आकार देने में प्रमुख भूमिका निभाती आयी है। जातिगत गणना से तात्पर्य राज्य के पास प्रत्येक जाति के संबंध में विश्वसनीय आँकड़ों की उपलब्धता से है।

जातिगत गणना की प्रमुखता:
- भारतीय समाज की संगठनात्मक प्रवृत्तियों समझने में
- वंचित वर्गों को राज्य द्वारा सहायता प्रदान में
- आरक्षण के तार्किकरण में
- जाति से संबंधित मानवीय संसाधनों को समझने में

जातिगत गणना का सामाजिक क्षेत्र पर प्रभाव:

① यह भारतीय समाज में प्रमुख जाति की संकल्पना को प्रभावित करता है।

ForumIAS

2. राज्य में जाति के प्रतिनिधित्व को समझने में यथा- प्रशासन में सहभागिता

3. जातिगत गणना एक जाति का दूसरी जाति से संबंध निर्धारण में भी भूमिका निभाता है - यथा

4. उप्र, बिहार में यादव कुर्मी जातिगत सहयोग.

राजनीतिक क्षेत्रों पर प्रभाव

- जातिगत गणना राजनीतिक दलों की राजनीति को प्रभावित करती है
  ⇒ 90 के दशक में उभरी मंडल पालोटिक्स
- जातियों का वोटबैंकीकरण
- जातिगत दबाव समूह के निर्माण में.
- नकारात्मक रूप में यह भारतीय राजनीति को विकास के मुद्दे की जगह पहचान के मुद्दे से जोड़ती है
- निम्न जातियों के प्रति जातिगत हिंसा के रूप में.



ForumIAS

आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव

→ ग्रामीण भारत में जातियों के आर्थिक संगठन का उदय

→ निम्न वर्गों हेतु रोजगार के सीमित अवसर

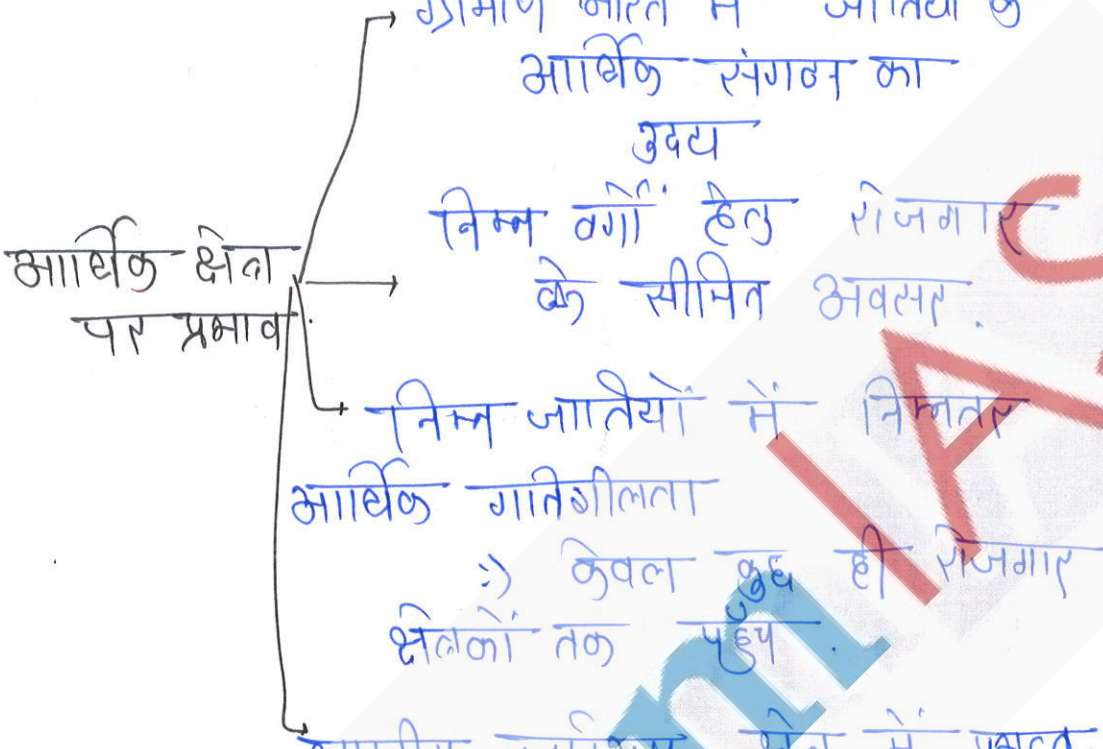

→ निम्न जातियों में निम्नतर आर्थिक गतिशीलता
:) केवल कुछ ही रोजगार क्षेत्रों तक पहुंच।

→ भारतीय स्टार्टअप क्षेत्र में प्रमुख जातियों का उदय

हालांकि आर्थिक क्षेत्र में कुछ मात्रा जातिगत समीकरणों का प्रभाव कम हुआ है परंतु यह सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र को प्रमुखता से आकार देती है।

Feedback

(For OFFICE use only)

| # | Ⓖ | Ⓐ | Ⓟ |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

| TOTAL MARKS | |
|---|---|

**Q.19)** Discuss various factors contributing to the water woes faced by Indian cities. Also, explain complexities in implementing a comprehensive water management plan. (15 marks, 250 words)

भारतीय शहरों में जल की समस्या में योगदान देने वाले विभिन्न कारकों पर चर्चा कीजिए। इसके अलावा, एक व्यापक जल प्रबंधन योजना को लागू करने में आने वाली जटिलताओं की व्याख्या कीजिए।

(15 अंक, 250 शब्द)

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार भारत में 2050 तक 50% शहरीकरण हो जायेगा जो शहरों में ~~जलीय~~ जल की उपलब्धता तथा गुणवत्ता दोनों को प्रभावित करेगा।

जल की समस्या में योगदान देने वाले कारक:

① प्राकृतिक कारक:

भारतीय वर्षा मानसूनी प्रकृति की है अतः कुछ ही महीनों (जून-सितंबर) में अधिकांश वर्षा हो जाती है, अन्य महीनों में जल का संकट उत्पन्न होता है।

② मानवीय कारक:

@. शहरों में जल को संग्रहित करने के अनुसार अवसंरचना का निर्माण

नहीं किया गया.

⇒ चेन्नई एक सूखे शहर में परिवर्तित हो गया है.

(b) ग्रामीण जल संसाधनों का अत्यंत तथा अत्यावहारिक दोहन किया गया.

(c) स्थानीय संस्थायें जल पुनर्भरण तथा आपूर्ति व्यवस्था में वित्तीय व मानवीय संसाधनों की वजह से अक्षम हैं.

(d) प्राकृतिक जलस्रोतों यथा वेटलैंड, तालाब, झील को शहरीकरण में परिवर्तित किया जा रहा है : भारत जल गणना 2022.

शहरों में जल की सतत आपूर्ति हेतु व्यापक जल प्रबंधन योजना की आवश्यकता है किंतु यह भी कई जटिलताओं से ग्रस्त है.

(1) वन साइज फिट्स ऑल का दृष्टिकोण : भारतीय शहरों में मुंबई, चेन्नई

तथा लखनऊ, भोपाल, जयपुर आदि की जल आपूर्ति व समस्याओं में अंतर है इसका ध्यान न रखना।

स्थानीय संस्थाओं की भूमिका अपरिभाषित

जल की सतत आपूर्ति हेतु शहरी निकायों को सक्षम करना होगा

यथा- कश्मीर में दक्ष नगर निकाय

तकनीकि समाधान को शामिल करना

विलवणीकरण संयंत्र, जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि

नवी संसाधनों का उपयोग - सततउपयोग

व्यापक जल प्रबंधन योजना हेतु आवश्यक है।

सरकारी योजनाओं का तालमेल - वर्तमान में अमृत, स्मार्ट सिटी, हर घर जल, अटलयोजना। इन सभी का एकीकरण आवश्यक है।

"बिना जल प्रबंधन योजना के शहर सतत नहीं रह पायेंगे अतः इस दिशा में समन्वित सहयोग की आवश्यकता है"

**Feedback**
(For OFFICE use only)

| # | Ⓖ | Ⓐ | Ⓟ |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

| TOTAL MARKS | |
|---|---|

**Q.20)** Though important elements of group identity, religion and region also run the risk of deepening communal cleavages. Comment. (15 marks, 250 words)

हालांकि समूह की पहचान का एक महत्वपूर्ण तत्व, धर्म और क्षेत्र भी सांप्रदायिक दरार को गहरा करने का जोखिम उठाते हैं। टिप्पणी कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)

धर्म और क्षेत्र व्यक्ति को समाज के साथ जोड़ते हैं तथा उसकी सामाजिक पहचान के साथ साथ व्यक्तिगत पहचान को भी आकार देते हैं

धर्म और क्षेत्र की सकारात्मक भूमिका

भूमिका

- सांस्कृतिक गतिशीलता को संभव बनाता है
- व्यक्ति के महत्व में वृद्धि
- यह समाजीकरण को बढ़ावा देता
- मजबूत सामाजिक संबंध
- व्यक्ति को सार्थकता का अहसास कराने में सहायक

हालांकि धर्म और क्षेत्र स्वयं में सांप्रदायिक तथा विभाजनकारी नहीं हैं किंतु इनका जब निहित स्वार्थों द्वा

ForumIAS

उपयोग होता है तब यह निम्न प्रकार से सांप्रदायिक दरार को गहरा करते हैं:

(i) अन्य धर्मों व देश के लोगों को स्वाभाविक शत्रु मानना

यह गलत धारणा कि हमारे हित तभी पूरे होंगे जब अन्य के हितों पर चोट पहुँचायी जायेगी।

① अंग्रेजों द्वारा भारत में सांप्रदायिकता के विकास हेतु प्रमुख कारक के रूप में प्रयोग किया गया।

(ii) ध्रुवीकरण व तुष्टीकरण को बढ़ावा:

सत्ता द्वारा इन भावनाओं का उपयोग निहित राजनीतिक स्वार्थ हेतु किया जाता है। इनकी परिणति दंगों में होती है यथा- नोआखाली दंगे
फ्रांस में चल रहे वर्तमान दंगे.

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(iii) संसाधनों हेतु प्रतिस्पर्धा:

भूमिपुत्र की संकल्पना तथा अपनी माटी आदि बाहरी बनाम भीतरी का संघर्ष उठाती है।

(iv) सांप्रदायिक वंचन:

जब धार्मिक व क्षेत्रीय भावनायें विकास के सांप्रदायिक वंचन का शिकार हो जाती हैं तब सांप्रदायिकता में वृद्धि होती है।

हालांकि समाज में इस भावना का प्रसार कि सभी के हित अन्योन्याश्रित हैं तथा विकास में सबको सहभागी बनाकर इस सांप्रदायिकता को कम किया जा सकता है।

Forum IAS

**Feedback**
(For OFFICE use only)

| # | Ⓖ | Ⓐ | Ⓟ |
|---|---|---|---|
| AWIS | | | |
| CD & VA | | | |
| S & F | | | |
| P & R | | | |

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

| TOTAL MARKS | |
|---|---|

ForumIAS

## Mentor Feedback Questions

1 ..............................................................................................................................

2 ..............................................................................................................................

3 ..............................................................................................................................

4 ..............................................................................................................................

5 ..............................................................................................................................

| Test Goal | | Outcomes |
|---|---|---|
| 1 ................................................ ................................................ | ☐ | ................................................ ................................................ |
| 2 ................................................ ................................................ | ☐ | ................................................ ................................................ |
| 3 ................................................ ................................................ | ☐ | ................................................ ................................................ |

Marking Scheme

| Mark | Good | Average | Below average |
|---|---|---|---|
| 10 Marker | 3.75 – 5.0 | 3.0 – 3.5 | < 3.0 |
| 15 Marker | 5.75 – 7.0 | 4.0 – 5.5 | < 4.0 |
| ✓ | Key / Relevant Point | | |
| ✗ | Vague / Irrelevant | | |

* Subject to change without prior notice.

# Availing Mentorship - Now made easy & seamless via mentorship.forumias.com

Dear Students,

You can now avail Mentorship in both online & offline mode seamlessly. All you need to do is login to below URL and pick up a date and time and your Mentorship is scheduled at the designated time.

Visit the URL **https://mentorship.forumias.com** or Scan the QR code

**When must you seek mentorship?** When you are unable to fully comprehend the directions given by the evaluator in the MGP copy. A Mentor will help you understand the nuances of your evaluated MGP copy. He / She will also be able to make suggestions, if needed, on improvements that you could make.

If we are already doing well, a reinforcement from the Mentor will further assist us in following the right path. A Mentor may also be able to give valuable inputs with respect to time management, presentation, structure etc. He may recommend you clearly to work on content or may suggest you to take courses / read books in case he feels you lack content that may be quickly improved with a course at ForumIAS or elsewhere, or some study material.

To download topper's copies, visit the link https://blog.forumias.com/testimonials

## Topper's Testimonials and Test Copies

CSE 2021 Topper's Testimonials and Test Copies

CSE Rank 1, Shruti Sharma, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 5, Utkarsh Dwivedi, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 8, Ishita Rathi, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 9, Preetam Kumar, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 12 Yasharth Shekhar, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 14, Abhinav J Jain, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 17, Mehak Jain, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 19, Diksha Joshi, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 20, Arpit Chauhan, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 23, Ashish, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 24, Pusapati Sahitya, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 25, Shruti Rajlakshmi, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 26, Utsav Anand, Download MGP Copies, Click Here
CSE Rank 28 Mourya Bharadwaj Mantri, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 30, Naman Goyal, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 33, Jaspinder Singh, Download MGP Copies, Click Here
CSE Rank 37, V Sanjana Simha, Download MGP Copies, Click Here
CSE Rank 39, Vishal Dhakad, Download MGP Copies, Click Here
CSE Rank 40, Kushal Jain, Download MGP Copies, Click Here